जिला :- राजसमन्द

30. राजसमंद

Date ___/___/_____ Page No.: _____

⇒ उपनाम :- राजनगर

⇒ स्थापना :- 10 अप्रैल 1991 को उदयपुर से अलग कर राजसमंद जिले का निर्माण किया।

→ राजसमंद में कुंभलगढ़ अभ्यारण्य स्थित है। जो जंगली भेड़ियों की प्रजनन स्थली के रूप में प्रसिद्ध है।

→ राज० में कुल सिंचित क्षेत्र का सबसे कम भाग राजसमंद जिले में

→ कांकरोली (राजसमंद) में एशिया का सबसे बड़ा टायर-ट्यूब बनाने का कारखाना स्थित है।

→ राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ के समीप खमनौर की पहाड़ियो से बनास नदी निकलती है।

→ बनास नदी पूर्ण रूप से राजस्थान में बेहने वाली राजस्थान की सबसे लम्बी नदी है।

→ राज० में तामड़ा (गार्नेट/रत्नभाणि) के सर्वाधिक भण्डार व उत्पादन

→ सर्वाधिक लहरदार संगमरमर

→ सर्वाधिक सीताफल

→ राज० में सर्वाधिक सड़क घनत्व

→ कोई रेलमार्ग नही

⇒ रक्त तलाई :-

→ खमनौर तथा मांगलपुर के बीच हल्दीघाटी का ऐतिहासिक युद्ध लड़ा गया था। इस युद्ध में हुई रक्त वर्षा के कारण इसे रक्त तलाई नाम दिया गया है। यही पर तंवर नरेश की छतरियाँ, हकीम खाँ सूरी की मजार (महाराणा प्रताप का एकमात्र मुस्लिम सेनापति) स्थित है।

⇒ दिवेर :-

→ "मेवाड़ का मैराथन" उपनाम से प्रसिद्ध दिवेर कुम्भलगढ़ व मदारियों की पर्वत श्रंखलाओं के बीच स्थित है।

→ यहाँ 1582 में महाराणा प्रताप ने छापामार पद्धति से मुगल सेना पर विजय प्राप्त की थी।

BEST IAS राकेश कुमार द्वारा संचालित BEST SUCCESS POINT Choose BEST, Be BEST

Scanned by CamScanner

Date ___/___/_____ Page No.: _____

⇒ हल्दीघाटी :-

→ बालीचा गाँव में स्थित यह रणस्थली जेम्स टॉड के शब्दों में "मेवाड़ की थर्मोपाली" कही जाती है।

→ यहाँ महाराणा प्रताप व अकबर के सेनापति मानसिंह के मध्य 1576 में युद्ध हुआ था।

→ हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप के स्वामिभक्त घोड़े चेतक की समाधि है।

⇒ कांकरोली :-

→ द्वारीकाधीश का मंदिर, चार भुजा मंदिर, रोकड़िया हनुमान जी व लक्ष्मण झुला स्थित है।

→ यही पर नौचौकी नामक प्रसिद्ध तालाब है।

→ यही टायर-ट्यूब बनाने का एशिया का सबसे बड़ा कारखाना स्थित है।

⇒ कुम्भलगढ़ दुर्ग :-

→ इसको कुम्भलमेर, कुंभपुर, कमलमीर, मच्छेन्द्र एवं माहोर आदि नामों से भी जाना जाता है।

→ यह दुर्ग जरगा पहाड़ी पर बना हुआ है।

→ इसकी दीवार इतनी चौड़ी है चार घुड़सवार एक साथ चल चल सकते हैं। इसे भारत की महान दीवार भी कहते हैं।

→ मण्डन नामक व्यक्ति इस दुर्ग का प्रमुख शिल्पकार था।

→ इस दुर्ग से सबसे ऊपरी भाग पर कटारगढ़ स्थित है। अतः यह दुर्ग मेवाड़ की आँख कहलाता है।

→ इसी दुर्ग में महाराणा प्रताप का जन्म हुआ।

→ कटारगढ़ दुर्ग कुम्भा का निवास स्थान था।

→ इस किले की ऊचाई के बारे में अबुल फजल ने लिखा है कि "यह इतनी बुलन्दी पर बना हुआ है कि नीचे से ऊपर की ओर देखने पर सिर की पगड़ी गिर जाती है।

⇒ कुम्भलगढ़ का शिलालेख :- (1460)

→ इसमें हम्मीर को विषमघाटी पंचानन कहा है।

→ कुम्भलगढ़ प्रशस्ति की रचना कान्ह व्यास ने की थी।

Scanned by CamScanner

Date ___/___/_____ Page No.: _____

⇒ राजसमंद झील :-

→ महाराजा राजसिंह द्वारा निर्मित

→ इसे नौ चौकी पाल के नाम से भी जाना जाता है।

⇒ राज प्रशस्ति (1676 ई०) :-

→ यह भारत एवं राजस्थान का सबसे बड़ा शिलालेख है।

→ रणछोड़ भट्ट द्वारा उत्कीर्ण

→ ⇒ → महाराणा प्रताप संग्रहालय हल्दीघाटी (राजसमंद) में है।

⇒ नाथद्वारा :-

→ नाथद्वारा में बनास नदी पर श्रीनाथ जी का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है।

→ नाथ द्वारा बल्लभ सम्प्रदाय का प्रमुख केन्द्र है।

→ श्रीनाथ जी को "सात ध्वजा का नाथ/स्वामी" कहा जाता है।

BEST SUCCESS POINT
Choose BEST, Be BEST

Scanned by CamScanner